✺ 29 अप्रैल 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] बाप अपना सारा पोतामोल बताते हैं तो बच्चे भी बतायें। बाप बतलाते हैं हम तुमको विश्व का मालिक बनाने आये हैं। फिर जो जैसा पुरुषार्थ करे। पुरुषार्थ जो भी करते हैं, वह भी पता होना चाहिए। बाबा लिखते हैं– सभी का आक्युपेशन लिखकर भेजो अथवा उनसे लिखवाकर भेजो। जो चुस्त समझदार ब्राह्मणियां होती हैं, वह सब लिखवा भेजती हैं– क्या धन्धा करते हैं, कितनी आमदनी है? बाप अपना सब कुछ बतलाते हैं और सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान सुनाते हैं।

2] बाप तो है सबकी सद्गति करने वाला। कोटों में कोई ही यह बात समझते हैं। जो कल्प पहले वाले होंगे, वही समझेंगे। भोलानाथ बाप आकर भोली-भोली माताओं को ज्ञान दे उठाते हैं। बाबा बिल्कुल चढ़ा देते हैं– मुक्ति और जीवनमुक्ति में। बाप सिर्फ कहते हैं– विकारों को छोड़ो। इस पर हंगामा होता है।

✺ योग-

1] बाप कहते हैं– मुझे याद करो क्योंकि अब वापिस जाना है। 84 जन्म अब पूरे हुए हैं, अब सतोप्रधान बन वापिस जाना है। कोई तो बिल्कुल याद ही नहीं करते।

2] जब तक योग नहीं होगा तब तक कशिश नहीं होगी। वह मेहनत बहुत थोड़े करते है।

3] एक बाबा की याद में रहे, इस याद से ही विकर्म विनाश होंगे। कोई तो बिल्कुल याद नहीं करते हैं।

4] तुम भी पोतामेल रखो कि कितना समय अति प्यारा बाबा, जो हमको विश्व का मालिक बनाते हैं, उनको याद किया? देखेंगे, कम याद किया तो आपेही लज्जा आयेगी कि याह क्या ऐसे बाबा को हमने याद नहीं किया।

✺ धारणा-

1] कोई विकर्म न हो। विकार जो भी हैं सभी विकर्म हैं ना। बाप को छोड़ दूसरे किसको याद करना– यह भी विकर्म है। बाप माना बाप।

2] बाप जो सुनाते हैं, उस पर विचार सागर मंथन करना है, सर्विस का सबूत देता है। सुना अनसुना नहीं करना है। अन्दर कोई भी आसुरी अवगुण है तो उसे चेक करके निकालना है।

✺ सेवा-

1] बाप सर्विस के बिगर रह नहीं सकते। तो बच्चों को भी सर्विस का सबूत देना है। सुना-अनसुना नहीं करना है।

2] अन्दर जरूर खायेगा– हम बाबा के पास रहकर, बाबा का बनके क्या करते हैं। सर्विस कुछ नहीं करते तो मिलेगा क्या। रोटी पकाना, सब्जी बनाना याह तो पहले भी करते थे। नई बाते क्या की है? सर्विस का सबूत देता है। इतने को रास्ता बताया।